PAREEKSHA BAAZ
Institute for CSE Examination

PRELIM POINTERS

28th NOV 2024

For more exam related videos and guidance, scan the code to join our YouTube Channel

For more exam related material, scan the code to join our Telegram Channel

Scan the code to join our Instagram Channel

INDEX

SN.	TOPIC
1	Design Law Treaty
2	Black thrips
3	Dunlin
4	Global Matchmaking Platform
5	What is Sjögren's disease?
6	Raimona National Park
7	Key Facts about Periyar River
8	Advertising Standards Council of India
9	International Pathogen Surveillance Network (IPSN)

डिजाइन कानून संधि

अवलोकन:

लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के सदस्य देशों ने ऐतिहासिक डिजाइन कानून संधि (डीएलटी) को अपनाया।

डिज़ाइन कानून संधि के बारे में:

- इसका उद्देश्य **औद्योगिक डिजाइन संरक्षण** के लिए **प्रक्रियात्मक ढांचे में सामंजस्य स्थापित करना**, विभिन्न न्यायक्षेत्रों में पंजीकरण प्रक्रियाओं की दक्षता और पहुंच में सुधार करना है।
- इस संधि को लागू करने के लिए **15 अनुबंधकारी पक्षों की आवश्यकता है।**
- **प्रमुख विशेषताऐं**
    - इसमें डिजाइन के प्रथम प्रकटीकरण के बाद **12 महीने की छूट अवधि का प्रावधान है, जिसके दौरान ऐसे प्रकटीकरण से पंजीकरण के लिए इसकी वैधता प्रभावित नहीं होगी।**
    - यह आवेदकों को **राहत उपाय प्रदान करता है तथा समय-सीमा चूक जाने पर** उनके अधिकारों को खोने से बचाने के लिए कुछ लचीलापन प्रदान करता है ।
    - **सरलीकृत नवीकरण प्रक्रिया:** डिजाइन पंजीकरण के नवीकरण के अनुरोध की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।
    - **ई-फाइलिंग प्रणाली: डिजाइनों के लिए ई-फाइलिंग प्रणाली की शुरूआत** और प्राथमिकता वाले दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है ।
    - **तकनीकी सहायता:** संधि के कार्यान्वयन के लिए विकासशील और अल्पविकसित देशों को **तकनीकी सहायता की उपलब्धता** सुनिश्चित करता है ।
- **फ़ायदे**
    - इसका लक्ष्य **यह सुनिश्चित करना है कि सुव्यवस्थित डिजाइन संरक्षण के लाभ** सभी हितधारकों के लिए सुलभ हों, जिसमें **छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों** (एसएमई), स्टार्टअप और स्वतंत्र डिजाइनरों पर विशेष जोर दिया जाएगा।
    - प्रक्रियागत आवश्यकताओं को मानकीकृत करके, **डीएलटी प्रशासनिक बोझ को कम करता है**, जिससे डिजाइन में वैश्विक रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है।

- स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम और स्टार्टअप बौद्धिक संपदा संरक्षण (एसआईपीपी) योजना जैसी पहलों के साथ संयुक्त होने पर, ये प्रावधान **स्टार्टअप्स और एसएमई को वैश्विक स्तर पर डिजाइन अधिकार सुरक्षित करने** , उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और बाजार के विकास को समर्थन देने में मदद करेंगे।

- **भारत ने हाल ही में** इस संधि के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किये हैं।

प्रश्न 1: विश्व बौद्धिक संपदा संगठन क्या है?

यह स्विटजरलैंड के जिनेवा में स्थित संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। इसकी स्थापना 1967 में WIPO कन्वेंशन द्वारा की गई थी। इसका मिशन एक संतुलित और प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (IP) प्रणाली के विकास का नेतृत्व करना है जो सभी के लाभ के लिए नवाचार और रचनात्मकता को सक्षम बनाता है।

काली थ्रिप्स

अवलोकन:

एक वर्ष के अंतराल के बाद, कर्नाटक के बल्लारी में मिर्च की फसल में एक बार फिर खतरनाक ब्लैक थ्रिप्स का प्रकोप सामने आया है।

ब्लैक थ्रिप्स के बारे में:

- यह एक **आक्रामक कीट प्रजाति है।**
- भारत में इसकी पहली बार सूचना **2015 में पपीते पर दी गई थी।**
- ये कीट **कोमल पत्तियों** और फूलों को चीरकर उनके ऊतकों को खा जाते हैं। चीरने से, विशेष रूप से फूलों को, फल बनने में बाधा उत्पन्न होती है।
- यह **बहुभक्षी** है , अर्थात यह **विभिन्न पौधों की प्रजातियों पर भोजन** कर सकता है ।
- यह कोमल फूलों को खाता है, बड़े पैमाने पर फूलों को गिराता है, फलों में बौनापन और विकृति पैदा करता है तथा मिर्च में फल गिर जाते हैं, जिससे उपज में भारी कमी आती है।
- मिर्च के अलावा, यह **कपास, शिमला मिर्च, लाल और काले चने, आम, तरबूज** और अन्य फसलों को भी नुकसान पहुंचाता है।
- **वर्ष 2015 से यह कीट कृषि, बागवानी और सजावटी फसलों** दोनों को खा रहा है तथा आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा और तमिलनाडु में व्यापक रूप से फैला हुआ है।
- **भारत में इसके बढ़ने के कारण:** कीट प्रजातियों के प्राकृतिक नियंत्रण के लिए आक्रमण के क्षेत्र में इस विशेष आक्रामक कीट के प्राकृतिक शत्रुओं की अनुपस्थिति और रासायनिक कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा विलम्बित रोपण भी इसके प्रकोप के कारण हो सकते हैं।

प्रश्न 1: आक्रामक प्रजाति क्या है?

ये पौधे, जानवर, कवक या सूक्ष्मजीव हैं जिन्हें उनके मूल क्षेत्र के बाहर नए वातावरण में लाया जाता है और परिणामस्वरूप, प्राप्तकर्ता क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र, अर्थव्यवस्था और/या मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

डनलिन

अवलोकन:

डनलिन उन 192 पक्षी प्रजातियों में से एक है जिन्हें हाल ही में कोच्चि में आयोजित केरल बर्ड रेस के दौरान देखा गया था।

डनलिन के बारे में:

- यह एक छोटा सा समुद्री पक्षी है, जिसकी **चोंच लटकी हुई होती है, तथा** यह पूर्णतः **प्रवासी परिध्रुवीय** प्रजनक है।
- **उपस्थिति:**
  - डनलिन्स एक मध्यम आकार का सैंडपाइपर पक्षी है, जिसकी चोंच थोड़ी नीचे की ओर मुड़ी हुई काली होती है।
  - **विशिष्ट विशेषता:** ग्रीष्म प्रजनन काल के दौरान, उनके पेट पर एक **बड़ा काला धब्बा** और पीठ पर नारंगी पंख होते हैं, तथा शीतकाल और प्रजनन के अलावा अन्य मौसम में, वे पूरी तरह से सफेद होते हैं तथा उनकी पीठ और सिर भूरे रंग के होते हैं।
- डनलिन के एक समूह को " **फ्लाइट", "फ्लिंग" या "ट्रिप" के नाम से जाना जाता है।**
- **निवास स्थान:** प्रजनन के मौसम के दौरान, वे तटीय **टुंड्रा क्षेत्रों** में रहते हैं । सर्दियों में, वे **कीचड़, मुहाना, दलदल और समुद्र तट के** किनारे रहते हैं ।
- वे **ग्रीष्म प्रजनन काल आर्कटिक और उप-आर्कटिक क्षेत्रों** में बिताते हैं , तथा शीतकाल संयुक्त राज्य अमेरिका और मैक्सिको के दोनों तटों पर बिताते हैं।
- **आहार:** घोंसले के मैदान में डनलिन के आहार का मुख्य हिस्सा कीड़े होते हैं; वे सर्दियों के दौरान और प्रवास के दौरान **मोलस्क, कीड़े और क्रस्टेशियन खाते हैं।**
- **संरक्षण की स्थिति**
  - **आईयूसीएन:** निकट संकटग्रस्त
- **खतरे: आर्द्रभूमि के सूखने, वैश्विक तापमान में वृद्धि, तथा आक्रामक पौधों** के कारण **आवास की क्षति** के कारण यह संकटग्रस्त है , विशेष रूप से प्रवास स्थलों और शीतकाल वाले क्षेत्रों में।
- **यह एवियन इन्फ्लूएंजा** के प्रति भी संवेदनशील है ।

प्रश्न 1: टुंड्रा पारिस्थितिकी तंत्र क्या है?

टुंड्रा पारिस्थितिकी तंत्र आर्कटिक और पर्वतों की चोटियों पर पाए जाने वाले वृक्षविहीन क्षेत्र हैं, जहां जलवायु ठंडी और हवादार होती है तथा वर्षा कम होती है।

वैश्विक मैचमेकिंग प्लेटफॉर्म

अवलोकन:

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) और क्लाइमेट क्लब ने ग्लोबल मैचमेकिंग प्लेटफॉर्म (जीएमपी) लॉन्च किया।

ग्लोबल मैचमेकिंग प्लेटफॉर्म के बारे में:

- इसे उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में **भारी उत्सर्जन वाले उद्योगों** के **डीकार्बोनाइजेशन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।**
- ग्लोबल मैचमेकिंग प्लेटफॉर्म का विचार दिसंबर 2023 में 28वें **संयुक्त राष्ट्र** जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP28) में क्लाइमेट क्लब के शुभारंभ के साथ पैदा हुआ था ।
- यह ऊर्जा और उत्सर्जन-गहन औद्योगिक क्षेत्रों में उत्सर्जन को कम करने के लिए **देश-विशिष्ट आवश्यकताओं को** वैश्विक तकनीकी और वित्तीय सहायता से जोड़ता है।
- यह **देशों को वितरण साझेदारों के नेटवर्क** से जोड़ता है, तथा औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों के लिए व्यापक तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
    - ये साझेदार राष्ट्रों को नीति निर्माण, नवीन प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण, तथा उत्सर्जन लक्ष्यों को बढ़ाने में सहायता सहित **शून्य और निम्न-उत्सर्जन औद्योगिक प्रथाओं में परिवर्तन लाने के लिए निवेश को सुविधाजनक बनाने जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहायता करते हैं ।**
    - यह तंत्र देशों को अपने डीकार्बोनाइजेशन मार्गों को अनुकूलित करने की अनुमति देता है, साथ ही साझेदार संगठनों द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और संसाधनों तक पहुंच को सुव्यवस्थित करता है ताकि उत्सर्जन में भारी कमी लाई जा सके।
- उद्योग डीकार्बोनाइजेशन के लिए जीएमपी को **जलवायु क्लब** के समर्थन तंत्र के रूप में बनाया जा रहा है , जिसका **सचिवालय यूएनआईडीओ द्वारा संचालित किया जाएगा।**
- इसकी गतिविधियों को आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जलवायु क्लब अंतरिम सचिवालय द्वारा भी समर्थन दिया जाता है ।

प्रश्न 1: डीकार्बोनाइजेशन क्या है?

यह कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी लाने के माध्यम से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का कम उत्सर्जन प्राप्त करना है।

PAREEKSHA BAAZ
SAFALTA KE KHILADI

स्जोग्रेन रोग क्या है?

अवलोकन:

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में स्जोग्रेन रोग एक मूक महामारी है, जिसका निदान ठीक से नहीं किया गया है तथा इसे ठीक से समझा नहीं गया है।

स्जोग्रेन रोग के बारे में:

- यह एक दीर्घकालिक विकार है जिसमें **प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से शरीर की नमी पैदा करने वाली ग्रंथियों को निशाना बनाती** है ।
- यह एक अल्प-पहचानी गई **स्वप्रतिरक्षी स्थिति** है , जिसका अक्सर वर्षों तक निदान नहीं हो पाता।
- **व्यापकता:** यह पुरुषों की तुलना में **महिलाओं में लगभग 10 गुना अधिक आम** है और आमतौर पर 30 और 40 की उम्र में प्रकट होता है, हालांकि यह किसी भी उम्र में दिखाई दे सकता है, यहां तक कि बच्चों में भी।
- **लक्षण**
    - सबसे आम शिकायतें **सूखी आंखें और शुष्क मुँह** हैं , जो जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं।
    - सूखी आंखों के कारण, विशेष रूप से जागने पर और लंबे समय तक स्क्रीन का उपयोग करने पर, आंखों **में रेत जैसा महसूस हो सकता है** , जबकि शुष्क मुंह के कारण निगलने में कठिनाई हो सकती है और **दंत समस्याओं का जोखिम काफी बढ़ सकता है।**
    - स्जोग्रेन रोग **जोड़ों में दर्द, थकान और लार ग्रंथियों** में सूजन के साथ प्रकट हो सकता है , जिससे यह एक जटिल, बहु-प्रणाली रोग बन जाता है
- **इलाज:**
    - उपचार में **लार उत्तेजक** और प्रतिस्थापन के साथ सूखापन का प्रबंधन, और जीवन शैली समायोजन शामिल है। प्रणालीगत लक्षणों के लिए, प्रतिरक्षादमनकारी दवाओं का उपयोग किया जाता है।
    - मरीजों को एयर कंडीशनिंग और अत्यधिक स्क्रीन समय जैसी चीजों से बचना चाहिए।

- **यूवी सुरक्षा वाले धूप के चश्मे** और जेल-आधारित चिकनाई वाली बूंदों के लगातार उपयोग से महत्वपूर्ण अंतर आ सकता है।

प्रश्न 1: लार ग्रंथि क्या है?

यह एक बहिःस्रावी ग्रंथि है जो मौखिक गुहा में लार स्रावित करती है। तीन प्रमुख लार ग्रंथियाँ हैं: पैरोटिड ग्रंथि, सबलिंगुअल ग्रंथि और सबमंडिबुलर ग्रंथि (एसएमजी)।

रेमोना राष्ट्रीय उद्यान

अवलोकन:

वैज्ञानिकों की एक टीम ने पश्चिमी असम के रायमोना राष्ट्रीय उद्यान में समुद्र तल से 96 मीटर ऊपर एक अकेला मुख्यभूमि सीरो (कैप्रिकॉर्निस सुमात्राएंसिस थार) रिकॉर्ड किया।

रेमोना राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- **यह असम के बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर)** में कोकराझार जिले में **भारत-भूटान सीमा** पर स्थित है ।
- इसे 5 जून 2021 को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।
- यह भूटान में **फिबसू वन्यजीव अभयारण्य** और **जिग्मे सिंग्ये वांगचुक राष्ट्रीय उद्यान** के समीपवर्ती वन खंडों को साझा करता है , जिससे 2,400 वर्ग किलोमीटर से अधिक का सीमापार संरक्षण परिदृश्य निर्मित होता है।
- **नदियाँ** : **सोनकोश नदी** पार्क के पश्चिम में और **सरलभंगा नदी** पूर्वी भाग में बहती है।
- **वनस्पति** : इसमें **बारह विभिन्न प्रकार और उप-प्रकार के वन** शामिल हैं, जिनमें अति **आर्द्र साल वन, उप-हिमालयी उच्च जलोढ़ अर्ध-सदाबहार वन, सवाना वन,** आर्द्र-मिश्रित पर्णपाती वन, नदी तटीय वन, खोइर-सिसू वन शामिल हैं।
- **वनस्पति** : यह पार्क असंख्य **आर्किड प्रजातियों,** अन्य **उष्णकटिबंधीय वर्षावन प्रजातियों** और नदी के किनारे के घास के मैदानों से समृद्ध है।
- **जीव-जंतु:**
    - यह पार्क अपनी **स्थानिक प्रजाति, गोल्डन लंगूर के लिए प्रसिद्ध है,** जिसे बोडोलैंड क्षेत्र का शुभंकर नामित किया गया है।
    - यहाँ विभिन्न अन्य प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं, जैसे **हाथी, बंगाल टाइगर, जंगली बाइसन,** सफेद धब्बेदार हिरण, धूमिल तेंदुआ और जंगली भैंस।

प्रश्न 1 : बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) क्या है?

बीटीआर एक स्वायत्त क्षेत्र है जिसमें असम के 4 जिले शामिल हैं, अर्थात कोकराझार, चिरांग, बक्सा और उदलगुरी, जो भूटान की तलहटी के नीचे ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर स्थित है।

पेरियार नदी के बारे में मुख्य तथ्य

अवलोकन:

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में केंद्र सरकार से कहा कि वह पेन्नैयार नदी के जल बंटवारे को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच विवाद पर बातचीत करने वाली समिति द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को रिकॉर्ड में पेश करे।

पेन्नैयार नदी के बारे में:

- यह दक्षिण भारत की एक प्रमुख नदी है, जो **तमिलनाडु और कर्नाटक से होकर बहती है।**
- इसे कन्नड़ में **दक्षिण पेन्नार नदी** , **दक्षिण पिनाकिनी** और तमिल में **थेनपेन्नई** , **पोन्नैयार के नाम से भी जाना जाता है।**
- **अवधि** :
    - **उत्पत्ति** : इसका उद्गम **कर्नाटक** के चिक्काबल्लापुरा जिले में **नंदी पहाड़ियों** से होता है ।
    - इसके बाद यह कर्नाटक से होकर 80 किमी दक्षिण की ओर बहती हुई उत्तरपश्चिमी तमिलनाडु तक पहुंचती है, जहां से यह दक्षिण-पूर्व की ओर मुड़कर 320 किमी बहती हुई **तमिलनाडु के कुड्डालोर में बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करती है।**
- यह बेसिन उत्तर-पश्चिम और दक्षिण में **पूर्वी घाट की विभिन्न श्रेणियों** जैसे **वेलिकोंडा श्रेणी,** नागरी **पहाड़ियाँ,** जावदु **पहाड़ियाँ,** शेवरॉय **पहाड़ियाँ** , चित्तेरी पहाड़ियाँ और कालरायन पहाड़ियों से तथा पूर्व में बंगाल की खाड़ी से **घिरा हुआ है ।**
- यह पेन्नार और कावेरी बेसिन के बीच स्थित 12 बेसिनों में से **दूसरा सबसे बड़ा अंतरराज्यीय पूर्व की ओर बहने वाला नदी बेसिन है।**
- यह नदी 16,019 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें से लगभग **77 प्रतिशत हिस्सा तमिलनाडु में पड़ता है** ।
- प्रमुख **सहायक नदियाँ चिन्नार, मारकंडा, वनियार** और **पम्बन** हैं ।
- सिंचाई के लिए नदी पर **बड़े पैमाने पर बाँध बनाये गये हैं, विशेष रूप से तमिलनाडु में।**
- **इस नदी के जलग्रहण क्षेत्र में** एकमात्र प्रमुख महानगरीय शहर बेंगलुरु है , जो नदी का सबसे बड़ा प्रदूषक भी है।

प्रश्न 1 : पूर्वी घाट क्या है?

यह एक प्राचीन असंतत निम्न पर्वत श्रृंखला है जो भारतीय प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर फैली हुई है। पूर्वी घाट का भौगोलिक विस्तार लगभग 75,000 किलोमीटर है, जो ओडिशा (25%), आंध्र प्रदेश (40%), तेलंगाना (5%), कर्नाटक (5%) और तमिलनाडु (25%) राज्यों में फैला हुआ है।

PAREEKSHA BAAZ
SAFALTA KE KHILADI

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद

अवलोकन:

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) ने 2024-25 के लिए अपनी अर्धवार्षिक शिकायत रिपोर्ट जारी की, जिसमें विशेष रूप से रियल एस्टेट और अपतटीय सट्टेबाजी में भ्रामक और अवैध विज्ञापनों की बड़ी संख्या का खुलासा किया गया।

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) के बारे में:

- यह भारत में **विज्ञापन उद्योग** का एक **स्वैच्छिक स्व-नियामक संगठन है।**
- **1985 में स्थापित, एएससीआई कंपनी अधिनियम** की धारा 25 के **तहत एक गैर-लाभकारी कंपनी** के रूप में पंजीकृत है ।
- एएससीआई **विज्ञापन में स्व-नियमन** के **लिए प्रतिबद्ध** है, तथा उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- एएससीआई **यह सुनिश्चित करना चाहता है कि विज्ञापन उसके स्व-नियमन संहिता के अनुरूप हों,** जिसके अनुसार विज्ञापन कानूनी, सभ्य, ईमानदार और सत्य होने चाहिए तथा प्रतिस्पर्धा में निष्पक्षता बनाए रखते हुए खतरनाक या हानिकारक नहीं होने चाहिए।
- एएससीआई **सभी मीडिया** जैसे प्रिंट, टीवी, रेडियो, होर्डिंग्स, एसएमएस, ईमेल, इंटरनेट/वेबसाइट, उत्पाद पैकेजिंग, ब्रोशर, प्रचार सामग्री और बिक्री केन्द्र सामग्री आदि से प्राप्त शिकायतों पर गौर करता है।
- **संरचना** :
    - एक **बोर्ड ऑफ गवर्नर्स,** जिसमें 16 सदस्य शामिल हैं , जो **प्रमुख व्यवसायों, मीडिया एजेंसियों और विज्ञापनदाताओं** आदि से चुने गए हैं।
    - उपभोक्ता **शिकायत परिषद (सीसीसी)** एक निकाय है जो शिकायतों की जांच करता है और यह निर्णय लेता है कि विज्ञापन भारतीय विज्ञापन मानक परिषद संहिता का अनुपालन करते हैं या नहीं।
    - महासचिव की अध्यक्षता में एक **सचिवालय संगठन के दिन-प्रतिदिन के कार्यों की देखरेख करता है।**

- यद्यपि ASCI **एक सरकारी निकाय नहीं** है , फिर भी इसकी भूमिका को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है, तथा 2006 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर भारत में **सभी टीवी विज्ञापनों के लिए ASCI के नियमों का पालन करना अनिवार्य कर दिया था।**
- एएससीआई अंतर्राष्ट्रीय विज्ञापन स्व-विनियमन परिषद (आईसीएएस) की कार्यकारी समिति का एक हिस्सा है।

प्रश्न 1 : अंतर्राष्ट्रीय विज्ञापन स्व-विनियमन परिषद (ICAS) क्या है?

ICAS एक वैश्विक मंच है जो प्रभावी विज्ञापन स्व-नियमन को बढ़ावा देता है। ICAS के सदस्यों में स्व-नियामक संगठन (SRO) के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी शामिल हैं जो कानूनी, सभ्य, ईमानदार और सत्यनिष्ठ विज्ञापनों को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय रोगज़नक़ निगरानी नेटवर्क (आईपीएसएन)

अंतर्राष्ट्रीय रोगज़नक़ निगरानी नेटवर्क (आईपीएसएन) के बारे में:

- यह एक **सार्वजनिक स्वास्थ्य नेटवर्क** है जो संक्रामक रोगों के खतरे को महामारी या सर्वव्यापी महामारी बनने से पहले ही **रोकने और पता लगाने का काम करता है** ।
- आईपीएसएन, **जिसका सचिवालय** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के **महामारी और महामारी खुफिया केंद्र** द्वारा संचालित है , दुनिया भर के सरकारों, परोपकारी संस्थाओं, बहुपक्षीय संगठनों, नागरिक समाज, शिक्षा जगत और निजी क्षेत्र से जीनोमिक्स और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में अग्रणी **विशेषज्ञों को एक साथ** लाता है।
    - सभी का एक **ही लक्ष्य है** : **रोग के खतरों का पता लगाना और उनका समाधान करना, इससे पहले कि वे महामारी** और सर्वव्यापी महामारी बन जाएं, तथा **नियमित रोग निगरानी को अनुकूलित करना** ।
- आईपीएसएन **रोगजनक जीनोमिक्स से उत्पन्न अंतर्दृष्टि पर निर्भर** करेगा , जो वायरस, बैक्टीरिया और अन्य रोग पैदा करने वाले सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक सामग्री का विश्लेषण करने में मदद करता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वे कैसे फैलते हैं और वे कितने संक्रामक या घातक हो सकते हैं।
    - इन आंकड़ों का उपयोग करके, शोधकर्ता **रोगों की पहचान कर सकते हैं और उनका पता लगा सकते हैं,** जिससे प्रकोप की रोकथाम, प्रतिक्रिया और उपचार में सुधार हो सकता है।
- **सदस्य विशिष्ट चुनौतियों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समर्पित समूहों में मिलकर काम करेंगे** , तथा रोगजनक जीनोमिक्स में विचारों और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए आईपीएसएन के माध्यम से वित्त पोषण द्वारा समर्थित होंगे।
- रोगजनक जीनोमिक निगरानी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करके, आईपीएसएन नए रोगजनकों का तेजी से पता लगाने और रोगों के प्रसार और विकास पर बेहतर नज़र रखने में सक्षम बनाता है।

प्रश्न 1 : विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) क्या है?

1948 में स्थापित डब्ल्यूएचओ संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, दुनिया को सुरक्षित रखने और कमज़ोर लोगों की सेवा करने के लिए देशों, भागीदारों और लोगों को जोड़ती है - ताकि हर कोई, हर जगह स्वास्थ्य के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर सके। डब्ल्यूएचओ के वर्तमान में 194 सदस्य देश हैं। विश्व स्वास्थ्य सभा (WHA) डब्ल्यूएचओ का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है और इसमें सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।